भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 20 सितम्बर, 2025
जारी करने का समय: 1300 घंटे

विषय: (i) 25 सितंबर, 2025 के आसपास म्यांमार-बांग्लादेश तटों से दूर पूर्व-मध्य और उससे सटे उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी में एक नया निम्न दबाव का क्षेत्र उभरने की संभावना है। इसके प्रभाव में, 23-26 सितंबर, 2025 के दौरान ओडिशा में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है; 24-26 सितंबर, 2025 के दौरान छत्तीसगढ़ और तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में भारी वर्षा होने की संभावना है।
(ii) अगले 4-5 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर भारत में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में 20 सितम्बर, 2025 को सुबह 08:30 बजे IST तक का मौसम विवरण:

- रायलसीमा में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- पूर्वी उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, नागालैंड और त्रिपुरा, झारखंड, बिहार, मध्य प्रदेश, गुजरात क्षेत्र, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

पिछले मौसम की अधिक जानकारी के लिए, कृपया **अनुलग्नक I** देखें।

दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी:

- दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी रेखा 31°N/74°E, भटिंडा, फतेहाबाद, पिलानी, अजमेर, डीसा, भुज और 23°N/68°E से होकर गुजर रही है।
- अगले 2-3 दिनों के दौरान गुजरात, राजस्थान, हरियाणा और पंजाब के कुछ और हिस्सों; हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों से दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल होती जा रही हैं। **(अनुलग्नक II)**

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक III और IV देखें):

- निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर उत्तरी अंडमान सागर और उससे सटे म्यांमार तट पर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है। इसके लगभग उत्तर-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ने और 22 सितंबर, 2025 के आसपास बंगाल की खाड़ी के उत्तरी भाग तक पहुँचने की बहुत संभावना है।
- 25 सितंबर, 2025 के आसपास म्यांमार-बांग्लादेश तटों के पास पूर्वमध्य और उससे सटे उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी में एक नया निम्न दबाव का क्षेत्र उभरने की संभावना है।
- निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर उत्तर-पश्चिम उत्तर प्रदेश और उससे सटे उत्तर-पूर्व असम पर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।

- निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर उत्तर-पूर्व उत्तर प्रदेश और उससे सटे बिहार पर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है और इस ऊपरी हवा के चक्रवाती परिसंचरण से निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में पश्चिम विदर्भ तक एक उत्तर-दक्षिण द्रोणिका बनी हुई है।
- एक और द्रोणिका निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर उत्तरी अंडमान सागर और उससे सटे म्यांमार तट पर ऊपरी हवा के चक्रवाती परिसंचरण से दक्षिण महाराष्ट्र तट तक बनी हुई है।

इन प्रणालियों के प्रभाव में, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

पूर्वी और मध्य भारत:

- अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/तूफान के साथ 20 सितंबर को दक्षिण-पश्चिम मध्य प्रदेश, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, बिहार में; अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 20, 21, 23 और 24 सितंबर को; गंगा के किनारे पश्चिम बंगाल में 22 और 23 सितंबर को; छत्तीसगढ़ में 24 से 26 सितंबर तक; विदर्भ में 25 और 26 सितंबर को; ओडिशा में 23 से 26 सितंबर तक अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है ।
- पूर्वी भारत में अगले 5 दिनों तक तूफान और तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार) की संभावना है ।

उत्तर-पूर्वी भारत:

- कई/कुछ स्थानों पर हल्की/मध्यम बारिश/तूफान के साथ असम और मेघालय में 20 से 24 सितंबर तक और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 20 से 23 सितंबर तक अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है ।

उत्तर-पश्चिमी भारत:

- कुछ/अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/तूफान के साथ पूर्वी उत्तर प्रदेश और पूर्वी राजस्थान में 20 सितंबर को अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।
- उत्तराखंड और पूर्वी राजस्थान में अगले 4-5 दिनों तक तूफान के साथ बिजली गिरने की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- कई/कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/तूफान के साथ तमिलनाडु, रायलसीमा, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 20 सितंबर को; तेलंगाना में 21 और 22 सितंबर को और तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 24 से 26 सितंबर तक अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।
- तटीय आंध्र प्रदेश और यनम तथा रायलसीमा में अगले 5 दिनों तक तेज सतही हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार) की संभावना है।

पश्चिमी भारत:

- अगले 4-5 दिनों तक क्षेत्र में कई/कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/तूफान की संभावना, जिसमें मराठवाड़ा और गुजरात क्षेत्र में 20 सितंबर को; कोंकण और गोवा तथा मध्य महाराष्ट्र में 20, 25 और 26 सितंबर को अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 20 से 25 सितंबर तक निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएं:

अरब सागर:

- पश्चिम-मध्य, दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों, सोमालिया तट के साथ और उसके आसपास 20 से 25 सितंबर तक न जाएं।

बंगाल की खाड़ी:

- श्रीलंका तट के साथ और आसपास, दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में 20 से 25 सितंबर तक; दक्षिण बंगाल की खाड़ी के अधिकांश हिस्सों में 20 से 25 सितंबर तक; मध्य बंगाल की खाड़ी के दक्षिणी हिस्सों में 22 से 24 सितंबर तक; पूरे मध्य बंगाल की खाड़ी और उत्तरी बंगाल की खाड़ी के अधिकांश हिस्सों में 24 सितंबर को; आंध्र प्रदेश, ओडिशा,

पश्चिम बंगाल, बांग्लादेश, म्यांमार तटों के साथ और आसपास 24 सितंबर को; मन्नार की खाड़ी और आसपास के कोमोरिन क्षेत्र में 20 से 25 सितंबर तक; अंडमान सागर में 20 से 25 सितंबर तक न जाएं।

ii. 20 सितम्बर से 23 सितंबर 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक V)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:
https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php
जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक I

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- **रायलसीमा:** रायचोटी (जिला अन्नमय्या) 15, वेम्पल्ले (जिला वाईएसआर) 10, जम्मलमडुगु (जिला वाईएसआर) 8, पेनगलुरु (जिला अन्नमय्या) 7;
- **गुजरात क्षेत्र**: वागरा (जिला भरूच) 11, सूरत (जिला सूरत) (राज्य सरकार डेटा) 9, करजन (जिला वडोदरा) 7;
- **पश्चिम मध्य प्रदेश**: देपालपुर (जिला इंदौर) 11, हाटोद (जिला इंदौर) 9, उदयपुरा (जिला रायसेन) 8, पीथमपुर (जिला धार) 8, सरदारपुर (जिला धार) 7, महू (जिला इंदौर) 7, सुल्तानपुर (जिला रायसेन) 7;
- **पूर्वी राजस्थान:** बिजोलिया सीनियर (जिला भीलवाड़ा) 10, नैनवा (जिला बूंदी) 9;
- **नागालैंड और त्रिपुरा:** अबोई एआरजी (जिला मोन) 9, बेलोनिया (जिला दक्षिण त्रिपुरा) 8, त्सेमिन्यू एनएसडीएमए_एडब्ल्यूएस (जिला कोहिमा) 7;
- **बिहार**: रघुनाथपुर (जिला सिवान) 9; जाले (जिला दरभंगा), मैरवा (जिला सीवान), रोसेरा (जिला समस्तीपुर) 8 प्रत्येक; पचरुखी (जिला सीवान), गोरियाकोठी (जिला सीवान) 7 प्रत्येक;
- **पूर्वी उत्तर प्रदेश:** त्रिमोहनी घाट एफएमओ (जिला महराजगंज) 7;
- **पूर्वी मध्य प्रदेश:** केओलारी (जिला सिवनी) 7;
- **मध्य महाराष्ट्र:** पंढरपुर (जिला शोलापुर) 7;
- **मराठवाड़ा**: जलना (जिला जलना) 7;
- **अंडमान और निकोबार द्वीप समूह**: लॉन्ग आइलैंड (जिला उत्तर और मध्य अंडमान) 7;
- **उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल**: ऊदलाबारी टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 7;
- **झारखंड**: जमतारा एफएमओ (जिला जमतारा) 7;
- **तमिलनाडु**: अरकोनम (जिला रानीपेट), जया इंजीनियरिंग कॉलेज एडब्ल्यूएस (जिला तिरुवल्लुर) 7 प्रत्येक

अनुलग्नक II

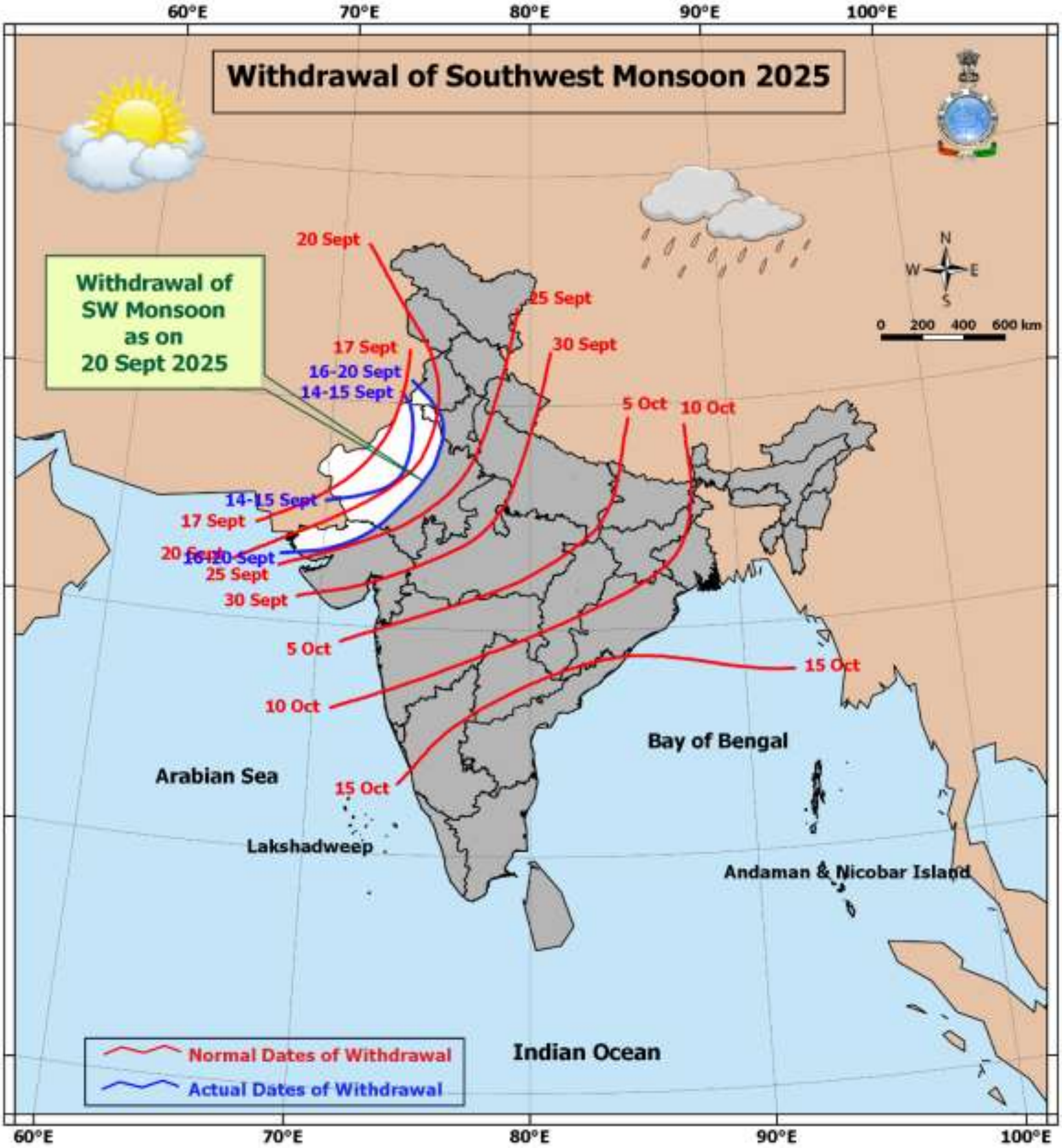
Withdrawal of Southwest Monsoon 2025
Withdrawal of SW Monsoon as on 20 Sept 2025
20 Sept
25 Sept
30 Sept
17 Sept
16-20 Sept
14-15 Sept
5 Oct
10 Oct
15 Oct
Arabian Sea
Bay of Bengal
Lakshadweep
Andaman & Nicobar Island
Indian Ocean
Normal Dates of Withdrawal
Actual Dates of Withdrawal
0 200 400 600 km
60°E
70°E
80°E
90°E
100°E
40°N
30°N
20°N
10°N
0°

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	**Subdivision**	**20- Sep**	**21- Sep**	**22- Sep**	**23- Sep**	**24- Sep**	**25- Sep**	**26- Sep**
		Day 1	**Day 2**	**Day 3**	**Day 4**	**Day 5**	**Day 6**	**Day 7**
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	SCT	SCT
6	GANGETIC WEST BENGAL	SCT	SCT	WS	WS	FWS	FWS	FWS
7	ODISHA	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS
8	JHARKHAND	SCT	SCT	FWS	FWS	WS	WS	WS
9	BIHAR	FWS	SCT	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS
10	EAST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL
12	UTTARAKHAND	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
20	EAST MADHYA PRADESH	SCT	SCT	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS
21	GUJRAT REGION	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL
22	SAURASHTRA & KUTCH	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	FWS	SCT	FWS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
25	MARATHWADA	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
26	VIDARBHA	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	WS	WS
27	CHHATTISGARH	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
29	TELANGANA	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
30	RAYALASEEMA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS
35	KERALA AND MAHE	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	WS
36	LAKSHADWEEP	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	WS

• **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

अनुलग्नक IV

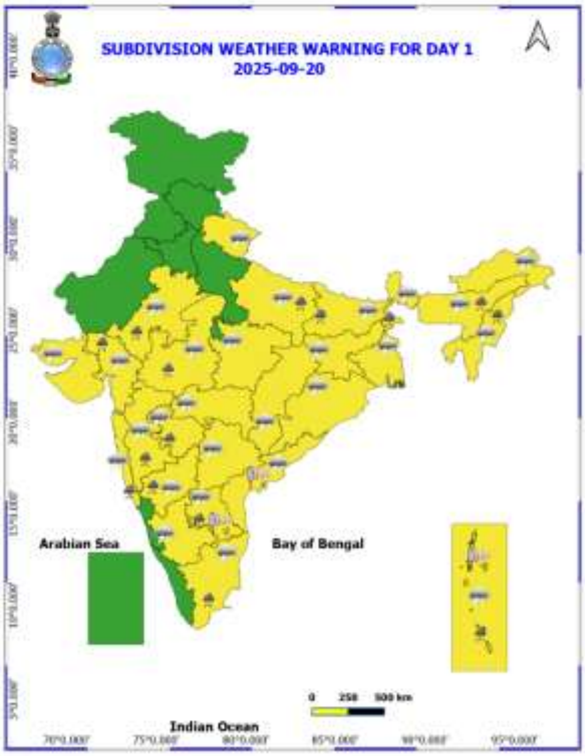
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-09-20
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

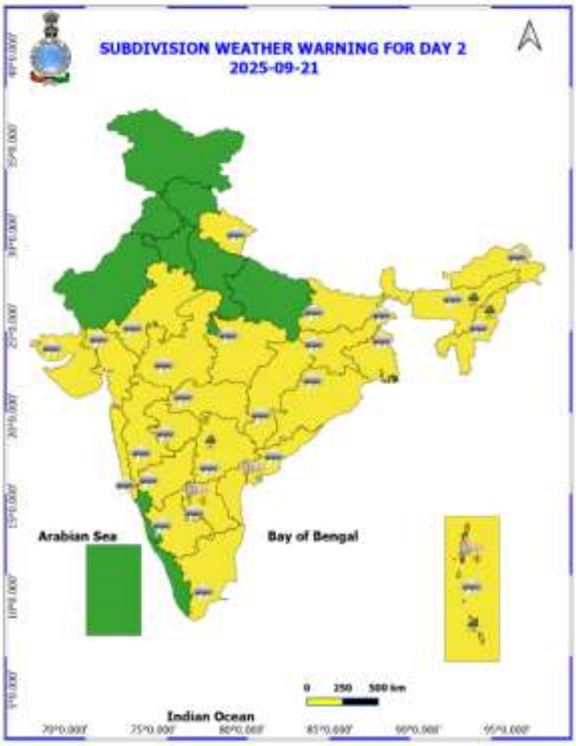
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-09-21
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

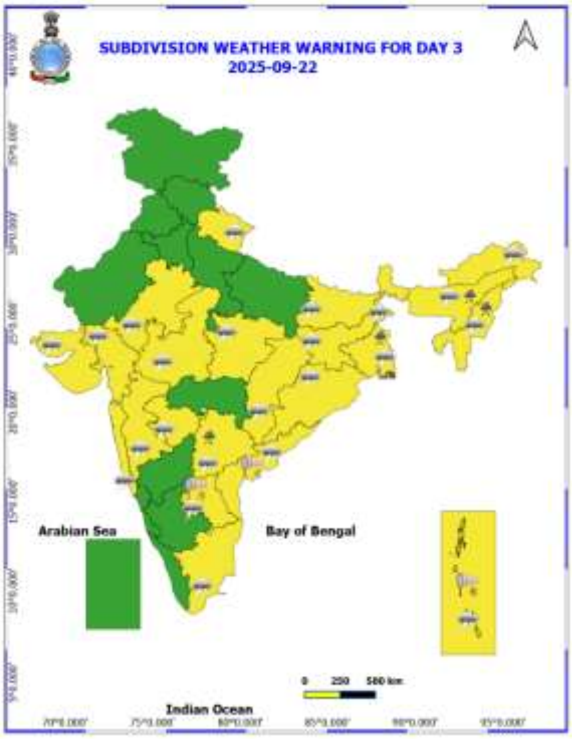
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-09-22
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

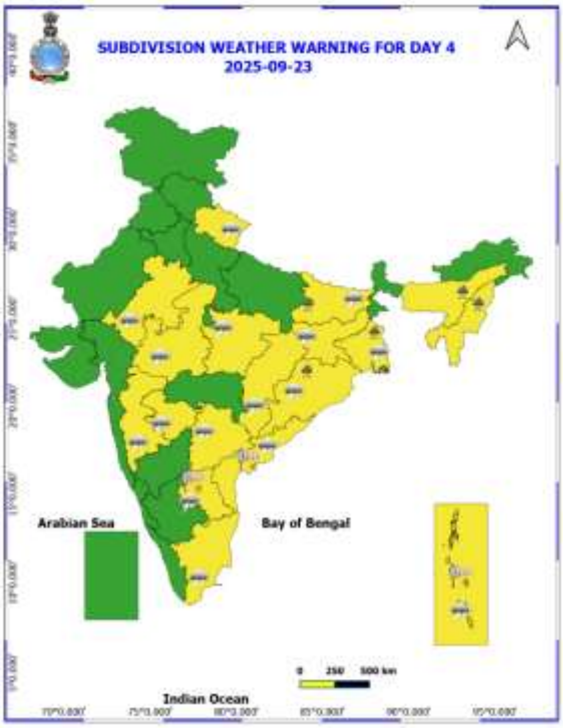

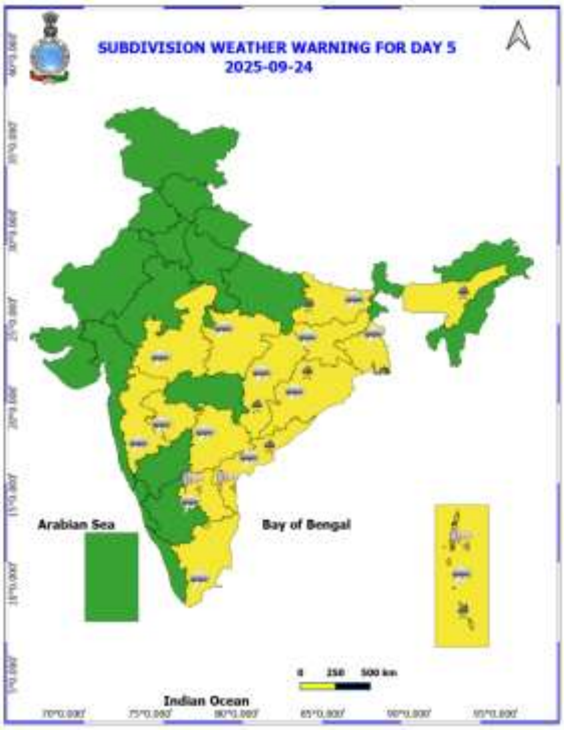

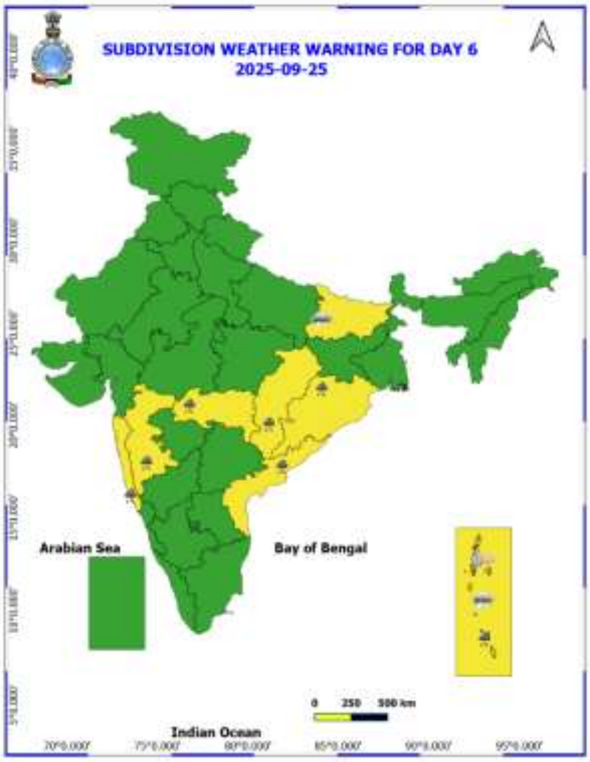

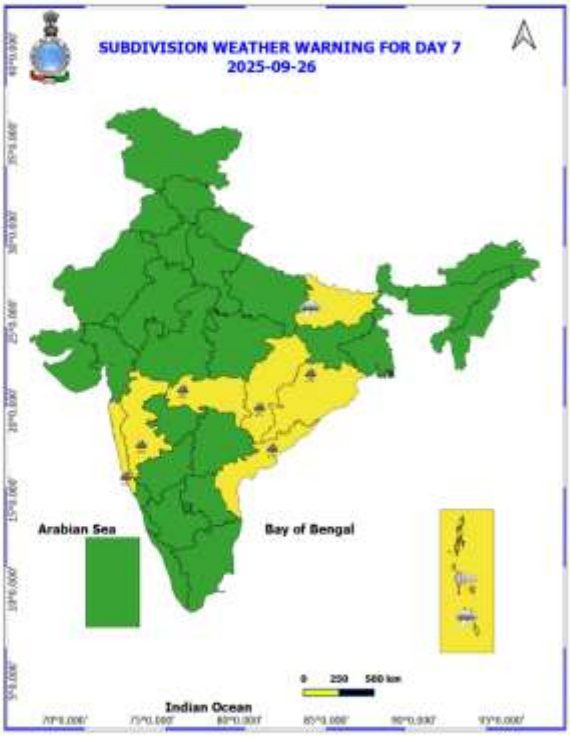

- **नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।**
- **असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।**
- **जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।**

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है
https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

दिल्ली/एनसीआर में 20 से 23 सितंबर 2025 तक का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:
पिछले 24 घंटों में दिल्ली/एनसीआर में न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है और अधिकतम तापमान में 1-2 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34 से 35 डिग्री सेल्सियस और 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। न्यूनतम और अधिकतम तापमान सामान्य के करीब थे। आंशिक रूप से बादल छाए रहने की स्थिति थी, जिसमें मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम/पश्चिम दिशा से 18 किमी प्रति घंटे की गति के साथ सतही हवाएँ चलीं। आज सुबह के समय क्षेत्र में मुख्य रूप से साफ आसमान रहा और दक्षिण-पश्चिम दिशा से 16 किमी प्रति घंटे से कम गति की हवाएँ चलीं।

मौसम पूर्वानुमान:
20.09.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34 से 36 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य से 1-2 डिग्री सेल्सियस अधिक रहेगा। दोपहर के समय मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से 20-25 किमी प्रति घंटे की गति के साथ सतही हवाएँ चलने की संभावना है। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 15 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी और दक्षिण-पश्चिम दिशा से हवाएँ चलेंगी।

21.09.2025: मुख्य रूप से साफ आसमान रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34 से 36 डिग्री सेल्सियस और 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब और अधिकतम तापमान सामान्य से 1-2 डिग्री सेल्सियस अधिक रहेगा। सुबह के समय मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटे की गति के साथ सतही हवाएँ चलने की संभावना है। दोपहर में हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर 25 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी और उत्तर-पश्चिम दिशा से हवाएँ चलेंगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 15 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी और दक्षिण-पश्चिम दिशा से हवाएँ चलेंगी।

22.09.2025: मुख्य रूप से साफ आसमान रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34 से 36 डिग्री सेल्सियस और 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब और अधिकतम तापमान सामान्य से 1-2 डिग्री सेल्सियस अधिक रहेगा। सुबह के समय मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटे की गति के साथ सतही हवाएँ चलने की संभावना है। दोपहर में हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर 25 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी और उत्तर-पश्चिम दिशा से हवाएँ चलेंगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 15 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी और पश्चिम दिशा से हवाएँ चलेंगी।

23.09.2025: मुख्य रूप से साफ आसमान रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 से 35 डिग्री सेल्सियस और 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहने की संभावना है। न्यूनतम और अधिकतम तापमान सामान्य के करीब रहेंगे। सुबह के समय मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से 20-22 किमी प्रति घंटे की गति के साथ सतही हवाएँ चलने की संभावना है। दोपहर में हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर 25 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी और उत्तर-पश्चिम दिशा से हवाएँ चलेंगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 15 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी और पश्चिम दिशा से हवाएँ चलेंगी।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में, धान के खेतों से अतिरिक्त वर्षा जल निकासी सुनिश्चित करें। बारिश से होने वाले नुकसान से बचने के लिए सब्ज़ियों की नर्सरी को नारियल के पत्तों या पॉलीथीन शीट से ढक दें। बारिश के छींटों से बचाने के लिए, केले के गुच्छों को मलमल के कपड़े से लपेट दें।
- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में, तराई क्षेत्र में धान और सब्जियों के खेतों से और पहाड़ी क्षेत्र में धान, अदरक, रागी, मूंग और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त वर्षा जल निकासी चैनल बनाएं रखें।
- पश्चिमी मध्य प्रदेश में, धान, सोयाबीन, मक्का, कपास, गन्ना और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी की निकासी करें। झाबुआ पहाड़ी क्षेत्र में, सोयाबीन, मक्का, कपास, उड़द और सब्जियों के खेतों में उचित जल निकासी व्यवस्था बनाएं रखें।

- महाराष्ट्र में, मध्य महाराष्ट्र में अरहर, सोयाबीन, मक्का, सब्जियों के खेतों और बागानों से; मराठवाड़ा में सोयाबीन, कपास, अरहर, सब्जियों और बागानों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें और कटी हुई उड़द की फसल को सुरक्षित स्थान पर रखें। कोंकण में, धान, सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- असम में, पहाड़ी क्षेत्र में धान, गन्ना, मूंग, उड़द, तिल, सब्जियों के खेतों और बागानों से; तथा बराक घाटी क्षेत्र में धान और पहले से बोई गई उड़द की फसल से अतिरिक्त पानी निकासी सुनिश्चित करें।
- नागालैंड में, धान और सोयाबीन के खेतों में उचित जल निकासी बनाए रखें। तिल और झूम धान की कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा:** >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

भारी / भारी से बहुत भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श
(आईबीएफ और विभिन्न एएमएफयू द्वारा जारी परामर्श पर आधारित)

- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में, तराई क्षेत्र में धान और सब्जियों के खेतों से और पहाड़ी क्षेत्र में मूंग, उड़द, रागी, डैली खोरसानी, सब्जियों और फलों के बागानों से अतिरिक्त जल निकासी करें |
- बिहार में, उत्तर-पश्चिम जलोढ़ मैदानी क्षेत्र में चावल और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त वर्षा जल की उचित निकासी व्यवस्था बनाएं रखें।
- उत्तराखंड में, उप-आर्द्र उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र में मूंग, उड़द, सोयाबीन, सनवा और रागी के खेतों से तथा पहाड़ी क्षेत्र में, अरहर और सब्जी फसलों से अतिरिक्त जल निकासी करें। नैनीताल जिले में, धान, मक्का, रागी, अरहर, सोयाबीन, मूंग, उड़द और सब्जियों के खेतों से उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- हिमाचल प्रदेश में, मध्य पर्वतीय उप आर्द्र क्षेत्र उच्च में सब्जियों के खेतों और फलों के बागों से अतिरिक्त पानी निकाल दें|
- महाराष्ट्र में, मध्य महाराष्ट्र में धान, गन्ना, अरहर, सोयाबीन, मक्का एवं सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से अतिरिक्त जल की निकासी व्यवस्था बनाएं रखें।
- अरुणाचल प्रदेश में, खड़ी फ़सलों जैसे धान, सोयाबीन, रागी एवं सब्ज़ियों तथा फलों के बागानों में जलजमाव से बचाव हेतु उचित जल निकासी बनाए रखें। धान, मक्का, मिर्च और केले की कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थान पर रखें।
- असम में, बराक घाटी क्षेत्र में चावल और पहले से बोई गई उड़द की फसल से अतिरिक्त पानी की निकासी सुनिश्चित करें। निचले ब्रह्मपुत्र घाटी क्षेत्र में, साली धान के खेतों तथा सब्जियों की नर्सरी क्यारियों में उचित जल निकासी व्यवस्था करें। भारी वर्षा से होने वाले नुकसान से बचाव हेतु नर्सरी क्यारियों को पतली पॉलीथिन से ढक दें।
- मेघालय में, धान, सब्जी की नर्सरी और अदरक से अतिरिक्त पानी निकासी व्यवस्था बनाएं रखें। केला, पपीता, कद्दू आदि जैसी ऊँची और नाज़ुक फसलों को गिरने से बचाने हेतु सहारा प्रदान करें।
- तमिलनाडु में, उत्तर पूर्वी क्षेत्र में चावल, मूंगफली के खेतों और बागानों से अतिरिक्त पानी की निकासी करें।
- तेलंगाना में, धान, मक्का, कपास, सोयाबीन, अरहर, हल्दी और सब्जियों के खेतों में अतिरिक्त वर्षा जल निकासी व्यवस्था बनाएं रखें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

 भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।

 चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।

 अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श
(आईबीएफ और विभिन्न एएमएफयू द्वारा जारी परामर्श पर आधारित)

 बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

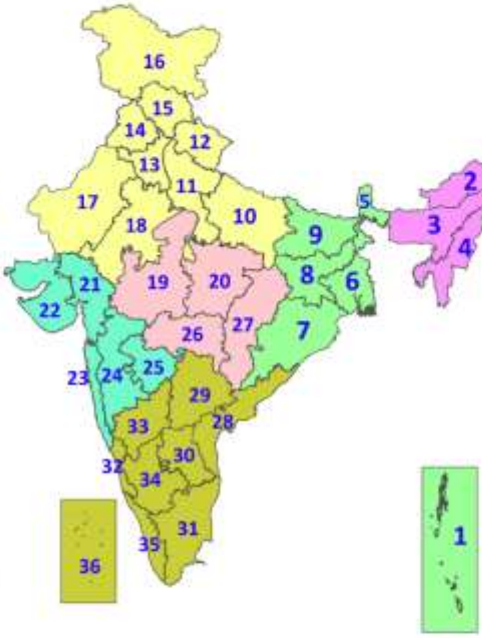

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds

Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds

Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)